ओ मैया तूने क्या ठानी मन में

ओ मईया तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में
हाय री तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में

यधपि भरत तेरो ही जायो,
तेरी करनी देख लज्जायो,
अपनों पद तैने आप गँवायो
भरत की नजरन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
हठीली तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में

महल छोड़ वहाँ नहीं रे मड़ैया,
सिया सुकुमारी,संग दोउ भईया,
काहू वृक्ष तर भीजत होंगे,
तीरो मेहन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
दीवानी तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में

कौशल्या की छिन गयी वाणी,
रोय ना सकी उर्मिला दीवानी,

कैकेयी तू बस एक ही रानी
रह गयी महलन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
दीवानी तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में

स्वर - रविन्द्र जैन
म्यूजिक - रविंद्र जैन
गीतकार - रविंद्र जैन

Source: https://www.bharattemples.com/o-maiya-tune-kya-thani-man-mein/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw